मधुबनी के भेजा और सुपौल के बकौर के बीच होगा पुल, सड़क और पुल दोनों का डीपीआर बनाने का भी काम शुरू

कोसी पर दूसरे नए पुल का काम मार्च में हो जाएगा शुरू

पटना | हिन्दुस्तान ब्यूरो

कोसी पर दूसरे नए पुल का काम भी मार्च में शुरू होगा। मधुबनी के भेजा और सुपौल के बकौर के बीच यह नया पुल बनेगा। फुलौत में बनने वाले कोसी पुल का काम तो कागज पर काफी आगे बढ़ चुका है, लेकिन इस नए पुल का काम भी अगले साल शुरू हो जाएगा। मार्च, 2018 तक दोनों पुलों के लिए एजेन्सी का चयन कर लिया जाएगा। इन दो पुलों के बन जाने से कोसी नदी पर राज्य में छह पुल हो जाएंगे। कोसी नदी पर बनने वाला यह छठा पुल मिथिलांचल को कोसी इलाके से जोड़ेगा। मधुबनी के भेजा शुरू होकर यह पुल सुपौल के बकौर में उतरेगा। खास बात यह है कि यह पुल फोरलेन का होगा। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकारण (एनएचएआइ) ने इससे जुड़ने वाली सड़क और पुल दोनों का डीपीआर बनाना शुरू कर दिया है। केन्द्र सरकार ने जनकपुर से सटे मधुबनी के उमगांव से शुरू होकर सुपौल होते हुए सहरसा में एनएच-107 में मिलने वाली सड़क को सैद्धंतिक रूप से राष्ट्रीय उच्च पथ घोषित किया है। कुल 180 किलोमीटर लंबे इस नए एनएच पर ही भेजा और बकौर के बीच कोसी नदी पर एक पुल भी बनेगा। डीपीआर 11 महीने में तैयार हो जाएगा। इस एनएच में अभी पथ निर्माण, ग्रामीण कार्य, मेजर डिस्ट्रिक्ट रोड बना हुआ है। लेकिन, 20 किलोमीटर इसमें मिसिंग लिंक है। इसे जोड़ने के लिए ही कोसी नदी पर एक पुल बनाने का प्रस्ताव है। भारतमाला धार्मिक सम्पर्क योजना के तहत उच्चैठ भगवती स्थान से महिषी तारास्थान को जोड़ने की घोषणा प्रधानमंत्री ने विशेष पैकेज में की थी। उसके तहत उमगांव से बासोपट्टी-बेनीपट्टी-रहिका-मधुबनी-रामपट्टी-अवाम-लऊफा-भेजा-सुपौल-महीषी-सहरसा के बीच 160 किलोमीटर एनएच बनाने का प्रस्ताव था। पथ निर्माण विभाग ने इसमें संशोधन करते हुए अवाम से मधेपुर-गंडौल को जोड़ते हुए 171 किलोमीटर एनएच बनाने का प्रस्ताव दिया। अब यह संशोधित होकर 180 किलोमीटर हो गया है।

180	किमी लंबी होगी सड़क
20	किमी लंबा होगा कोसी पुल
160	किमी एनएच बनाने का प्रस्ताव था पहले
06	पुल हो जाएंगे कोसी पर

कोसी पर दो नए पुल बनने हैं। दोनों पुल के लिए एजेन्सी का चयन अगले वर्ष मार्च महीने तक कर लिये जाने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा घोषित बिहार पैकेज के तहत ये पुल बनने हैं।

– नंद किशोर यादव, पथ निर्माण मंत्री